an>

Title: Regarding compensation and martyrdom to jawans, policemen killed in terrorist attack in the country.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : महोदया, मैं बहुत ही गम्भीर मुद्दे पर सदन में चर्चा करना चाहता हूं।...(व्यवधान) सर्जिकल स्ट्राइक की गयी और कहा गया कि इसके माध्यम से हमने आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया है।...(व्यवधान) लेकिन सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भी अभी तक 31 जवान मारे जा चुके हैं।...(व्यवधान) उरी से लेकर नगरोटा, पम्पोर और कई अन्य स्थानों पर सेना पर हमले की घटनाएं हो रही हैं।...(व्यवधान) यह बातें भी लगातार आ रही हैं कि आतंकवाद और उग्रवाद इत्यादि को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।...(व्यवधान) लेकिन हम देख रहे हैं कि किस तरीके से आजादी के बाद पहली बार लगातार तीन आर्मी हैडक्वार्टर्स के भीतर जाकर आतंकवादियों ने सैनिकों को मारा है। परंतु इसमें सबसे ज्यादा दुखद घटना यह है कि कई बार चर्चा में यह आता रहा है कि हमारे देश के जो मिग लड़ाकू विमान हैं, हैलिकॉप्टर्स हैं, वे काफी पुराने तथा खराब हो चुके हैं, जिसके कारण लगातार लोग मारे जाते हैं। लेकिन उन्हें हमारे देश में शहीद का दर्जा नहीं दिया जाता है।

मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि आखिर कब तक आतंकवादी आर्मी हैडक्वार्टर में घुसकर सैनिकों को मारते रहेंगे। हमारे देश के सामने यह एक गंभीर सवाल है। इस देश में शहीदों के आश्रितों को दो तरह का मुआवजा दिया जाता है। हरियाणा या अन्य कुछ जगहों पर शहीदों के आश्रितों को कुछ ज्यादा पैसे दिये जाते हैं। परंतु बिहार में शहीदों के आश्रितों जीरो पैसा दिया जाता है।

मेरा सरकार से आग्रह है कि देश भर में जो सैनिक शहीद होते हैं, उन शहीदों के आश्रितों को एक मुकम्मल राशि दी जाए। चाहे कोई सैनिक हैलिकॉप्टर से मरे, चाहे वह मिग विमान से मरे, चाहे किसी सैनिक से मरे, इन सबको शहीद का दर्जा दिया जाना चाहिए। चाहे वह बी.एस.एफ. का हो या पुलिस का आदमी हो, उन सबको शहीद का दर्जा दिया जाए।

अंत में मैं कहना चाहता हूं कि बिहार में शहीदों की मूर्तियां लगाई जाएं तथा उन्हें एक मुकम्मल राशि दी जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री दुष्यंत चौटाला एवं

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे को श्री राजेश रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।